Front Page of Book

डॉ. 'निशंक' की रचनाशीलता के विविध आयाम

संपादक

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

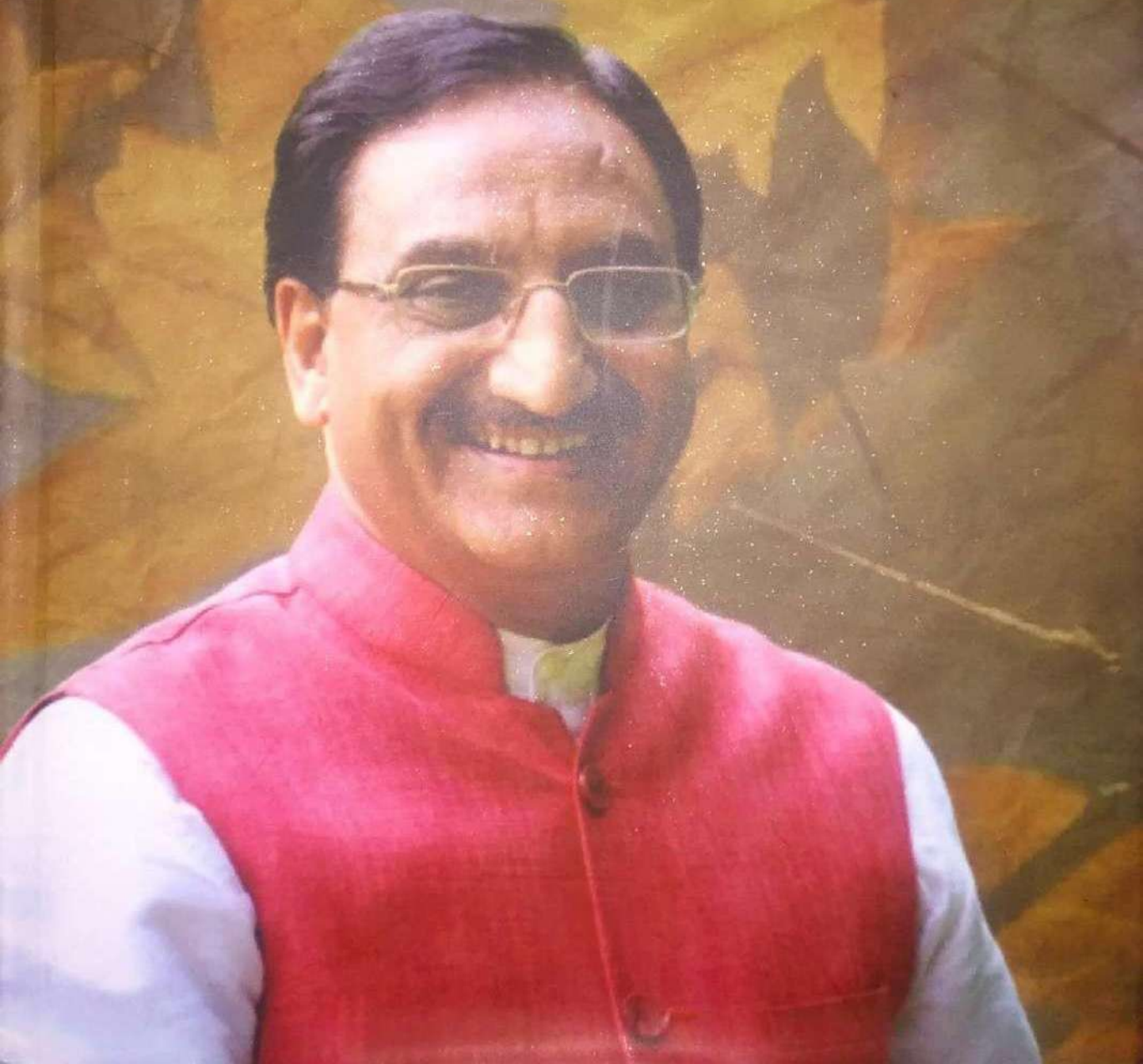

ISBN : 978-93-80845-51-7

मुख्य वितरक
स्याही ब्लू बुक्स, दिल्ली
syahiblue.books@gmail.com

शाखा
अनंग प्रकाशन / ठा. गजराज सिंह, भगतपुर,
पोस्ट - भगतपुर, जिला- अलीगढ़ 203132 (उ.प्र.) भारत

अनंग प्रकाशन

फोन नं. 09350563707, 9540176542

सर्वाधिकार : संपादक

प्रथम संस्करण : 2022
मूल्य : 995 रुपये
ई-मेल : anangprakashan@gmail.com
anangbooks@gmail.com

अनंग प्रकाशन, बी-107/1, गली मन्दिर वाली, समीप रबड़ फैक्ट्री, उत्तरी घोण्डा
दिल्ली-110053, शब्द-संयोजन : सिद्ध-भभूति ग्राफिक्स, दिल्ली- 110053
मुद्रक : राजोरिया प्रिन्टर्स, दिल्ली-32 से मुद्रित।

First Page of Published Chapter ""'Himalya mein Vivekanand' ki adhunik Prasangikta
"

'हिमालय में विवेकानंद' की आधुनिक प्रासंगिकता

डॉ. सरोज बाला

भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म एवं वेदांत दर्शन के संवाहक, राष्ट्रभाषा के रक्षक, हिंदी साहित्य जगत के सुविख्यात साहित्यकार डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' जी ने 70 से अधिक कालजयी रचनाएँ हिंदी साहित्य जगत को प्रदान कर दी हैं जिसके लिए युगों-युगों तक समस्त समाज उनका ऋणी रहेगा। ऐसे लेखक का साहित्य लेखन अपने युग को स्वर्णिम युग की उपाधि से अलंकृत करने में सक्षम होता है। भक्तिकाल पर दृष्टि डालें तो संत कबीर, गुरु नानक देव, गोस्वामी तुलसीदास आदि कवियों ने उस समय की दयनीय एवं विपरीत परिस्थितियों में प्रेरणा व आदर्श संपन्न साहित्य की रचना कर उस युग को 'स्वर्ण-युग' की संज्ञा से अभिहित किया। आज जब भारतीय समाज विशेषकर युवा-पीढ़ी भौतिकवादी चकाचौंध, मशीनीकरण, नकारात्मकता में धंसकर योग से भोग, परमार्थ से स्वार्थ, त्याग से संग्रह की ओर अग्रसर होकर अपनी भारतीय संस्कृति एवं नैतिक मूल्य से दूर होती जा रही है तो ऐसे समय में डॉ. निशंक जी की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक तत्वों से ओत-प्रोत रचनाएँ उनका पथ-प्रदर्शन करने में समर्थ व सक्षम हैं जिनमें उनकी महानतम कृति 'हिमालय में विवेकानंद' शीर्षस्थ है।

डॉ. निशंक की कृति हिमालय में विवेकानंद का अध्ययन करते हुए सर्वप्रथम मुझे इसमें लेखक के उदात्त व्यक्तित्व की छाप दिखाई दी। लेखक का कथन है कि "उत्तराखंड हिमालय में स्वामी विवेकानंद के पदचिह्नों पर विभिन्न जिज्ञासाओं के निराकरण के लिए जब मैंने कई बार उन स्थलों का